SCOPE CHARITABLE TRUST

(2023-24)

Activities of TRUST :

Early Intervention Programme (03.05.2023) :

SCOPE Charitable Trust conduct Early Entervention programme at Anganwari kendra of Village Mohal Khera, Dist.-Jind for benefit of children's with Intellectual Disablity .

<u>Awareness Ralley for Sawachhta of Divyangjans (02.10.2023) :</u>

UDID Camp (03.05.2023) :

SCOPE Charitable Trust for welfare of Children's with disability conduct a UDID camp Early at Narwana, Dist.-Jind . Aware Divyang Peoples of all type of disabilities about Unique Disability ID Card.

Raksha Bandhan Exibition (29.08.2023)

International Disability Day (03.12.2023) :

Children's with all type of disabilities participate in Poster making Completions on the occasion of International Disability Day.

International Disability Day (26.12.2023) :

Children's with disabilities wear the dress of Sahabjades for VEER BAL DIWAS on 26 December 2023.

शहादत एवं अदम्य साहस की मिसाल हैं साहबजादे : सुरजीत

स्कोप रिहैबिलिटेशन सेंटर मे वीर बाल दिवस पर साहबजादे की वेशभूषा मे दिव्यांग बच्चे। ● सौ. सैंटर

जींद, विज्ञप्ति : स्कोप चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा स्कोप रिहेबिलिटेशन सेंटर पर दिव्यांग बच्चों द्वारा अदम्य साहस कार्यक्रम वीर बाल दिवस का आयोजन किया। मुख्यातिथि समाजसेवी सुरजीत ने बताया कि इस दिन को सिक्खों के 10वें गुरु गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों साहिबजादा, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की शहादत एवं उनके अदम्य साहस की याद में वीर बाल दिवस का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि मुगल सेना ने आनंदपुर साहिब में गुरु गोबिंद सिंह के दो पुत्रों को कैद कर लिया और उनके सामने यह शर्त रखी गई कि यदि वे इस्लाम कबूल कर लेते हैं तो उन्हें नहीं मारा जाएगा, परंतु धर्मांतरण के इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर धर्मान्तरण की बजाय मौत को गले लगा लिया। दोनों साहिबजादों को मौत की सजा दी गई और ईंट की दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया। इसलिए उनकी शहादत एवं अदम्य साहस की याद में वीर बाल दिवस का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर सदस्य अनूप ढांडा, रमेश कुमार, पूनम, स्पेशल एजुकेटर सुशील, मनीषा, जयवीर, राजेश कुमार, गौरव शर्मा, तिलक राज मौजूद रहे।

अजीत समाचार

जींद : स्कोप चैरिटेबल ट्रस्ट जींद द्वारा अदम्य साहस कार्यक्रम 'वीर बाल दिवस' पर छात्र छात्राएं।

स्कोप चैरिटेबल ट्रस्ट जींद द्वारा अदम्य साहस कार्यक्रम 'वीर बाल दिवस' का आयोजन

जींद, 26 दिसम्बर (विकास जेठी): स्कोप चैरिटेबल ट्रस्ट जींद द्वारा मोहलखेड़ा रोड नरवाना स्थित स्कोप रिहैबिलिटेशन सेंटर एवं स्पेशल स्कूल में अदम्य साहस कार्यक्रम 'वीर बाल दिवस' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि समाजसेवी सुरजीत ने प्रशिक्षक, विशेष शिक्षकों तथा छात्र- छात्राओं को संबोधन करते हुए बताया की इस दिन को सिक्खों के 10वें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों साहिबजादा, बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत एवम उनके अदम्य साहस की याद में 'वीर बाल दिवस' का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया की मुगल सेना ने आनंदपुर साहिब में गुरु गोबिंद सिंह के दो पुत्रों को कैद कर लिया और उनके सामने यह शर्त रखी गई कि यदि वे इस्लाम कबूल कर लेते हैं तो उन्हें नहीं मारा जाएगा परन्तु धर्मान्तरण के इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर धर्मान्तरण की बजाय मौत को गले लगा लिया। बाद में दोनों साहिबजादों को मौत की सजा दी गई और ईंट की दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया।

शहादत एवं अदम्य साहस की मिसाल हैं साहबजादे : सुरजीत

सवेरा न्यूज/मनदीप

जींद, 26 दिसंबर : स्कोप चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा स्कोप रिहैबिलिटेशन सेंटर पर दिव्यांग बच्चों द्वारा अदम्य साहस कार्यक्रम वीर बाल दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि समाजसेवी सुरजीत ने बताया कि इस दिन को सिक्खों के 10वें गुरु गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों साहिबजादा, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की शहादत एवं उनके अदम्य साहस की याद में वीर बाल दिवस का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया की मुगल सेना ने आनंदपुर साहिब में गुरु गोबिंद सिंह के दो पुत्रों को कैद कर लिया और उनके सामने यह शर्त रखी गई कि यदि वे इस्लाम कबूल कर लेते हैं तो उन्हें नहीं मारा जाएगा, परन्तु धर्मान्तरण के इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर धर्मान्तरण की बजाय मौत को गले लगा लिया। बाद में दोनों साहिबजादों को मौत की सजा दी गई और ईंट की दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया। इसलिए उनकी शहादत एवम अदम्य साहस की याद में वीर बाल दिवस का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर सदस्य अनूप ढांडा, रमेश कुमार, पूनम, स्पेशल एजुकेटर सुशील, मनीषा, जयवीर, राजेश कुमार, गौरव शर्मा, तिलक राज तमौजूद रहे।

स्कोप रिहैबिलिटेशन सेंटर में वीर बाल दिवस पर साहबजादे की वेशभूषा में दिव्यांग बच्चे

Three Days CRE programme on "NEP 2020 & Person With Disability" (08.03.2024 to 10.03.2024) :

Organize three days CRE programme on Title : "NEP 2020 & Person With Disability" from 8th to 10 March 2024. This CRE approved by R.C.I. New Delhi.

एनसीटीई व आरसीआइ सामंजस्य के साथ करेंगे कार्य : रजनीकांत

संवाद सूत्र, जींद : स्कोप रिहैबिलिटेशन सेंटर में एनईपी 2020 पर्सन विद डिसएबिलिटी विषय पर भारतीय पुनर्वास परिषद् के तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का समापन हो गया। कार्यक्रम में एनईपी 2020 में दिव्यांगों की शिक्षा के लिए प्रावधानों पर मंथन किया गया। मुख्य वक्ता रजनीकांत ने कहा कि दिव्यांगों को बेहतर शिक्षा देने के लिए नई शिक्षा नीति में एक लचीला पाठ्यक्रम विकसित होगा। इसके लिए राष्ट्रीय संस्थानों के परामर्श से पाठ्यक्रम में बदलाव किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि एनईपी 2020 में दिव्यांग छात्रों के लिए बेहतर शिक्षा के प्रावधान किए गए हैं। इस नीति में सभी तरह के दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने के कौशल को सभी शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों में शामिल किया गया है। वक्ता अक्षय शर्मा ने कहा कि एनईपी, 2020 ने मौजूदा ढांचे के साथ विकलांग बच्चों को पढ़ाने के लिए अल्पकालिक विशेषज्ञता पाठ्यक्रम पेश किए हैं। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में एनसीटीई और आरसीआइ के बीच अधिक सामंजस्य सुनिश्चित किया गया है, ताकि विशेष शिक्षकों के पास सामग्री और शैक्षणिक ज्ञान दोनों हो। इस अवसर पर ट्रस्ट के सदस्य डा. राजेश्वर, अर्चना, अनूप कुमार, पूनम सिंह, अक्षय, प्रवीन, डा. विपुल, जयवीर, संदीप मौजूद रहे।

नई शिक्षा नीति: दिव्यांगों के लिए होगा लचीला पाठ्यक्रम विकसित : रजनीकांत

भास्कर न्यूज | जींद

दिव्यांगों को बेहतर शिक्षा देने के लिए नई शिक्षा नीति में एक लचीला पाठ्यक्रम विकसित होगा। इसके लिए राष्ट्रीय संस्थानों के परामर्श से पाठ्यक्रम में बदलाव किए जाएंगे। यह बात रिसोर्स पर्सन रजनीकांत ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कही। मोहल खेड़ा रोड पर स्कोप रिहैबिलिटेशन सेंटर में चल रहा कार्यक्रम सोमवार को समापन हो गया।

रिसोर्स पर्सन रजनीकांत ने कहा कि एनईपी 2020 में दिव्यांग छात्रों के लिए बेहतर शिक्षा के प्रावधान किए गए हैं। इस नीति में सभी तरह के दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने के कौशल को सभी शिक्षा कार्यक्रमों में शामिल किया गया है। वहीं दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के लिए पड़ोस के स्कूल, विशेष स्कूल और घर आधारित शिक्षा आदि स्कूल विकल्पों के प्रति अस्पष्टताओं को हल करने की दिशा में भी कदम उठाए गए हैं।

अक्षय शर्मा ने कहा कि एनईपी 2020 ने मौजूदा ढांचे के साथ विकलांग बच्चों को पढ़ाने के लिए अल्पकालिक विशेषज्ञता पाठ्यक्रम पेश किए हैं। उन्होंने कहा कि एनईपी 2020 में स्कूलों में गैर-भेदभाव, सुलभ बुनियादी ढांचे, उचित आवास, व्यक्तिगत समर्थन, शिक्षण में ब्रेल और भारतीय सांकेतिक भाषा का उपयोग और निगरानी जैसे अन्य प्रावधान भी शामिल किए गए हैं। इस मौके पर डॉ. राजेश्वर, अर्चना, अनूप कुमार, पूनम सिंह, अक्षय, प्रवीन कुमार, रिसोर्स पर्सन डॉ. विपुल कुमार, जयवीर, संदीप शर्मा, मीना, परमजीत मौजूद रहे।

नरवाना. भारतीय पुनर्वास परिषद के सीआरई कार्यक्रम में व्याख्यान देते रिसोर्स पर्सन।

Sawachhta Hi Seva Abhiyan (02.10.2024) :

Sawachhata abhiyan on the occasion of Mahatma Gandhi jayanti on 02nd October 2024.

स्कोप ट्रस्ट ने दिया स्वच्छता ही सेवा का सन्देश

● सदस्यों ने गांधी जयंती पर चलाया सफाई अभियान

ऋषि की आवाज नरवाना/जींद। स्कोप चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा महात्मा गांधी के जन्मदिवस पर मोहल खेड़ा रोड़ स्थित स्कोप पुनर्वास केंद्र एवं विशेष स्कूल में 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी राजकुमार का मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संस्था के सदस्यों द्वारा हरित पर्यावरण के महत्व एवं उसकी आवश्यकता के बारे में विस्तार से बताकर विद्यार्थियों एवं अन्य लोगों को जागरूक किया गया। समाजसेवी राजकुमार ने कहा कि हमें अपने तन और मन दोनों को स्वच्छ रखना जरूरी है, क्योंकि स्वच्छ तन में ही स्वच्छ मन का वास होता है। यदि हम अपने आसपास अथवा समाज में वातावरण स्वच्छ रखेंगे तो हम बहुत सी गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्वच्छता को बहुत महत्वपूर्ण मानते थे। इसलिए उनके जन्मदिवस पर पूरे देश में सफाई अभियान चलाए जाते है। संस्था सदस्यों ने इस अभियान के तहत मोहल खेड़ा रोड पर सफाई की गई तथा कूड़ा-करकट, सुखी घास, कागज आदि को इक्टठा करके स्थान को स्वच्छ किया।

दैनिक भास्कर जींद भास्कर 03-10-2024

स्कोप ट्रस्ट ने दिया स्वच्छता ही सेवा का संदेश

नरवाना। स्कोप चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा महात्मा गांधी की जयंती पर मोहल खेड़ा रोड स्थित स्कोप पुनर्वास केंद्र एवं विशेष स्कूल में स्वच्छता ही सेवा अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया। समाजसेवी राजकुमार ने कहा कि स्वच्छ तन में ही स्वच्छ मन का वास होता है। यदि हम अपने आसपास अथवा समाज में वातावरण स्वच्छ रखेंगे तो हम बहुत सी गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी स्वच्छता को बहुत महत्वपूर्ण मानते थे। इस अवसर पर अर्चना, अनूप, सुरजीत, रमेश, संदीप, आशा, पवन, गौरव व सोनू भी मौजूद रहे।

World Cerebral Palsy Day (06.10.2024) :

Webinar on the occasion of World Cerebral Palsy Day, on 6th October 2024.

सेरेब्रल पाल्सी का उपचार एक लंबी अवधि की प्रक्रिया : डा. नीरज कुमार पाल

सवेरा न्यूज/मनदीप

जींद,7 अक्तूबर : स्कोप चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा स्कोप पुनर्वास केंद्र एवं विशेष स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय सेरेबल पाल्सी दिवस पर आनलाइन वेबनार का आयोजन किया गया। आनलाइन वेबनार में जन विकास समिति बनारस, उत्तरप्रदेश से रिहैबिलिटेशन थेरेपिस्ट डा. नीरज कुमार पाल, सहायक प्रोफेसर धीरेन्द्र पाल मुख्य वक्ता थे। दोनों वक्ताओं ने इस दिवस के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। विशेष शिक्षा विशेषज्ञ डा. नीरज कुमार ने कहा कि सेरेब्रल पाल्सी का बचपन के शुरूआती स्टेज में पता लगाया जा सकता है और यदि कम उम्र में इलाज नहीं किया जाता है तो समय के साथ हालात गंभीर होते हैं। पीपीटी के माध्यम से सहायक प्रोफेसर धीरेन्द्र पाल ने बताया की सेरेब्रल पाल्सी का उपचार एक लंबी अवधि की प्रक्रिया है, जिसमें स्थिति की गंभीरता के अनुसार बाल रोग विशेषज्ञ, बाल चिकित्सा तंत्रिकाविज्ञानी, आर्थोपेडिक सर्जन, शारीरिक , व्यावसायिक चिकित्सक, भाषण-भाषा रोगविज्ञानी, विकास चिकित्सक, मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ और विशेष शिक्षा शिक्षक के साथ नियमित अपॉइंटमेंट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सेरेब्रल पाल्सी जैसी बीमारी कई कारकों के कारण हो सकती है। सेरेब्रल पाल्सी के लिए उपचार भी बीमारी के रूप में बहुत जटिल है। सेरेब्रल पाल्सी के इलाज में मुख्य रूप से गतिशीलता में सुधार, दर्द को नियंत्रित करना, प्राथमिक परिस्थितियों का प्रबंधन करना, मानसिक विकास को अधिकतम करना, आत्म-देखभाल को बढ़ावा देना, समाज ?और परिवार के साथ बातचीत में सुधार करना, सीखने की क्षमता में सुधार करना, दर्द को नियंत्रित करना और बेहतर जीवन के लिए गुणवत्ता प्रदान करना आदि शामिल हैं। इस आनलाइन वेबनार में स्कोप ट्रस्ट के सदस्य अर्चना, संजय, अनूप ढांडा, राजकुमार, पूनम राय, रमेश कुमार, युवराज सिंह, नीरज, स्उपस्थित रहे।

आनलाइन वेबनार में सेरेब्रल पाल्सी का उपचार समझाते विशेषज्ञ।

अजीत समाचार

स्कोप पुनर्वास केन्द्र व विशेष स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय सेरेबल पाल्सी दिवस पर वैबिनार आयोजित

जींद , 8 अक्तूबर (विकास जेटी): स्कोप चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नरवाना के मोहल खेड़ा रोड पर स्थित स्कोप पुनर्वास केंद्र एवं विशेष स्कूल में 'अंतराष्ट्रीय सेरेब्रल पाल्सी दिवस' पर ऑनलाइन वेबनार का आयोजन किया गया। इस ऑनलाइन वेबिनार में जन विकास समिति बनारस, उत्तरप्रदेश से रिहैबिलिटेशन थेरेपिस्ट डॉ. नीरज कुमार पाल, सहायक प्रोफेसर धीरेन्द्र पाल मुख्य वक्ता थे। दोनों वक्ताओं ने इस दिवस के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। विशेष शिक्षा विशेषज्ञ डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि सेरेब्रल पाल्सी का बचपन के शुरुआती स्टेज में पता लगाया जा सकता है और यदि कम उम्र में इलाज नहीं किया जाता है, तो समय के साथ हालात गंभीर होते हैं। पीपीटी के माध्यम से सहायक प्रो. धीरेन्द्र पाल ने बताया कि सेरेब्रल पाल्सी का उपचार एक लंबी अवधि की प्रक्रिया है जिसमें स्थिति की गंभीरता के अनुसार बाल रोग विशेषज्ञ, बाल चिकित्सा तंत्रिकाविज्ञानी, ऑर्थोपेडिक सर्जन, शारीरिक चिकित्सक, व्यावसायिक चिकित्सक, भाषण-भाषा रोगविज्ञानी, विकास चिकित्सक, मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ और विशेष शिक्षा शिक्षक के साथ नियमित अपॉइंटमेंट शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि सेरेब्रल पाल्सी जैसी बीमारी कई कारकों के कारण हो सकती है। सेरेब्रल पाल्सी के लिए उपचार भी बीमारी के रूप में बहुत जटिल है। सेरेब्रल पाल्सी के इलाज में मुख्य रूप से गतिशीलता में सुधार, दर्द को नियंत्रित करना, प्राथमिक परिस्थितियों का प्रबंधन करना, मानसिक विकास को अधिकतम करना, आत्म-देखभाल को बढ़ावा देना, समाज और परिवार के साथ बातचीत में सुधार करना, सीखने की क्षमता में सुधार करना, दर्द को नियंत्रित करना और बेहतर जीवन के लिए गुणवत्ता प्रदान करना आदि शामिल हैं। इस ऑनलाइन वेबीनार में स्कोप ट्रस्ट के सदस्य अर्चना, संजय, अनूप ढांडा, रिहैबिलिटेशन थेरेपिस्ट नीरज कुमार पाल, सहायक प्रो. धीरेन्द्र पाल, समाजसेवी राजकुमार, सहायक प्रोफेसर पूनम राय, रमेश कुमार, युवराज सिंह, नीरज, स्टाफ सदस्य व अन्य प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

नरवाना : स्कोप चैरीटेबल ट्रस्ट के वैबिनार का दृश्य। (छाया : जेठी)

सेरेब्रल पाल्सी का उपचार लंबी

संवाद सूत्र, जागरण • जींद : स्कोप चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा स्कोप पुनर्वास केंद्र एवं विशेष स्कूल में अंतरराष्ट्रीय सेरेबल पाल्सी दिवस पर आनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। आनलाइन वेबनार में जन विकास समिति बनारस, उत्तरप्रदेश से रिहेबिलिटेशन थेरेपिस्ट डा. नीरज कुमार पाल, सहायक प्रोफेसर धीरेंद्र पाल मुख्य वक्ता रहे। विशेष शिक्षा विशेषज्ञ डा. नीरज कुमार ने कहा कि सेरेब्रल पाल्सी का बचपन के शुरुआती स्टेज में पता लगाया जा सकता है और यदि कम उम्र में इलाज नहीं किया जाता है तो समय के साथ हालात गंभीर होते हैं। पीपीटी के माध्यम से सहायक प्रोफेसर धीरेंद्र पाल ने बताया की सेरेब्रल पाल्सी का उपचार एक लंबी अवधि की प्रक्रिया है, जिसमें स्थिति की गंभीरता के अनुसार बाल रोग विशेषज्ञ, बाल चिकित्सा तंत्रिकाविज्ञानी, आर्थोपेडिक सर्जन, शारीरिक चिकित्सक, व्यावसायिक चिकित्सक, भाषण-भाषा रोगविज्ञानी, विकास चिकित्सक, मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ और विशेष शिक्षा शिक्षक के साथ नियमित अपाइंटमेंट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सेरेब्रल पाल्सी जैसी बीमारी कई कारकों के कारण हो सकती है।

एसडी स्कूल में विद्यार्थी के साथ सवाल-जवा

सेरेब्रल पाल्सी के लिए उपचार भी बीमारी के रूप में बहुत जटिल है। सेरेब्रल पाल्सी के इलाज में मुख्य रूप से गतिशीलता में सुधार, दर्द को नियंत्रित करना, प्राथमिक परिस्थितियों का प्रबंधन करना, मानसिक विकास को अधिकतम करना, आत्म-देखभाल को बढ़ावा देना, समाज और परिवार के साथ बातचीत में सुधार करना, सीखने की क्षमता में सुधार करना, दर्द को नियंत्रित करना, बेहतर जीवन के लिए गुणवत्ता प्रदान करना शामिल हैं। इस आनलाइन वेबनार में स्कोप ट्रस्ट के सदस्य अर्चना, संजय, अनूप ढांडा, राजकुमार, पूनम राय, रमेश कुमार, युवराज सिंह, नीरज उपस्थित रहे।

सेरेब्रल पाल्सी का उपचार एक लंबी अवधि की प्रक्रिया

■ स्कोप चैरिटेबल संस्थान द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सेरेबल पाल्सी दिवस पर वैबीनार आयोजित

जींद, 7 अक्तूबर (ललित) : स्कोप चैरिटेबल ट्रस्ट जींद द्वारा मोहल खेड़ा रोड स्थित स्कोप पुनर्वास केंद्र एवं विशेष स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय सेरेब्रल पाल्सी दिवस पर ऑनलाइन वैबनार का आयोजन किया गया।

इस ऑनलाइन वैबनार में जन विकास समिति बनारस, उत्तरप्रदेश से रिहैबिलिटेशन थैरेपिस्ट डॉ. नीरज कुमार पाल, सहायक प्रोफैसर धीरेन्द्र पाल मुख्य वक्ता थे। दोनों वक्ताओं ने इस दिवस के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

विशेष शिक्षा विशेषज्ञ डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि सेरेब्रल पाल्सी का बचपन के शुरूआती स्टेज में पता लगाया जा सकता है और यदि कम उम्र में इलाज नहीं किया जाता है तो समय के साथ हालात गंभीर होते हैं।

पी.पी.टी. के माध्यम से सहायक प्रोफैसर धीरेन्द्र पाल ने बताया की सेरेब्रल पाल्सी का उपचार एक लंबी अवधि की प्रक्रिया है जिसमें स्थिति की गंभीरता के अनुसार बाल रोग विशेषज्ञ, बाल चिकित्सा तंत्रिकाविज्ञानी, ऑर्थोपेडिक सर्जन, शारीरिक चिकित्सक, व्यावसायिक चिकित्सक, भाषण-भाषा रोगविज्ञानी, विकास चिकित्सक, मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ और विशेष शिक्षा शिक्षक के साथ नियमित अपॉइंटमैंट शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि सेरेब्रल पाल्सी जैसी बीमारी कई कारकों के कारण हो सकती है। सेरेब्रल पाल्सी के लिए उपचार भी बीमारी के रूप में बहुत जटिल है।

सेरेब्रल पाल्सी के इलाज में मुख्य रूप से गतिशीलता में सुधार, दर्द को नियंत्रित करना, प्राथमिक परिस्थितियों का प्रबंधन करना, मानसिक विकास को अधिकतम करना, आत्म-देखभाल को बढ़ावा देना, समाज और परिवार के साथ बातचीत में सुधार करना, सीखने की क्षमता में सुधार करना, दर्द को नियंत्रित करना और बेहतर जीवन के लिए गुणवत्ता प्रदान करना आदि शामिल हैं।

इस ऑनलाइन वैबीनार में स्कोप ट्रस्ट के सदस्य अर्चना, संजय, अनूप ढांडा, रिहैबिलिटेशन थैरेपिस्ट नीरज कुमार पाल, सहायक प्रोफैसर धीरेन्द्र पाल, समाजसेवी राजकुमार, सहायक प्रोफैसर पूनम राय, रमेश कुमार, युवराज सिंह, नीरज, स्टाफ सदस्य व अन्य प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

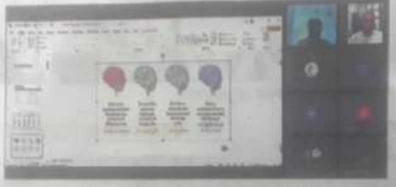

वैबीनार में भाग लेते हुए।

ने पर तुरंत करवाएं रक्त की जांच

स्कोप चैरिटेबल संस्थान द्वारा अंतराष्ट्रीय सेरेबल पाल्सी दिवस पर वेबनॉर आयोजित

सेरेब्रल पाल्सी का उपचार एक लंबी अवधि की प्रक्रिया

जगत क्रान्ति ⏭ जीन्द

स्कोप चैरिटेबल ट्रस्ट जींद द्वारा मोहल खेड़ा रोड स्थित स्कोप पुनर्वास केंद्र एवं विशेष स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय सेरेबल पाल्सी दिवस पर ऑनलाइन वेबनार का आयोजन किया गया। इस ऑनलाइन वेबनार में जन विकास समिति बनारस, उत्तरप्रदेश से रिहैबिलिटेशन थेरेपिस्ट डॉ. नीरज कुमार पाल, सहायक प्रोफेसर धीरेन्द्र पाल मुख्य वक्ता थे। दोनों वक्ताओं ने इस दिवस के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

विशेष शिक्षा विशेषज्ञ डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि सेरेबल पाल्सी का बचपन के शुरुआती स्टेज में पता लगाया जा सकता है और यदि कम उम्र में इलाज नहीं किया जाता है तो समय के साथ हालात गंभीर होते हैं।

पीपीटी के माध्यम से सहायक प्रोफेसर धीरेन्द्र पाल जी ने बताया की सेरेब्रल पाल्सी का उपचार एक लंबी अवधि की प्रक्रिया है जिसमें स्थिति की गंभीरता के अनुसार बाल रोग विशेषज्ञ, बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञानी, ऑर्थोपेडिक सर्जन, शारीरिक चिकित्सक, व्यावसायिक चिकित्सक, भाषण-भाषा रोगविज्ञानी, विकास चिकित्सक, मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ और विशेष शिक्षा शिक्षक के साथ नियमित अपॉइंटमेंट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सेरेब्रल पाल्सी जैसी बीमारी कई कारकों के कारण हो सकती है। सेरेब्रल पाल्सी के लिए उपचार भी बीमारी के रूप में बहुत जटिल है। सेरेब्रल पाल्सी के इलाज में मुख्य रूप से गतिशीलता में सुधार, दर्द को नियंत्रित करना, प्राथमिक परिस्थितियों का प्रबंधन करना, मानसिक विकास को अधिकतम करना, आत्म-देखभाल को बढ़ावा देना, समाज और परिवार के साथ बातचीत में सुधार करना, सीखने की क्षमता में सुधार करना, दर्द को नियंत्रित करना और बेहतर जीवन के लिए गुणवत्ता प्रदान करना आदि शामिल हैं। इस ऑनलाइन वेबनार में स्कोप ट्रस्ट के सदस्य अर्चना, संजय, अनूप ढांडा, रिहैबिलिटेशन थेरेपिस्ट नीरज कुमार पाल, सहायक प्रोफेसर धीरेन्द्र पाल, समाजसेवी राजकुमार, सहायक प्रोफेसर पूनम राय, रमेश कुमार, युवराज सिंह, नीरज, स्टाफ सदस्य व अन्य प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

भारतीय मूल्यों, भारतीय संस्कारों, भारतीय आस्थाओं तथा भारत की गौरव गाथा के प्रति गौरवपूर्ण भावना को सृजन करना है।

सेरेबल पाल्सी दिवस पर वेबनॉर का आयोजन

जींद । स्कोप चैरिटेबल ट्रस्ट जींद द्वारा मोहल खेड़ा रोड स्थित स्कोप पुनर्वास केंद्र एवं विशेष स्कूल में अंतराष्ट्रीय सेरेबल पाल्सी दिवस पर ऑनलाइन वेबनार का आयोजन किया गया। इस ऑनलाइन वेबनार में जन विकास समिति बनारस, उत्तर प्रदेश से रिहैबिलिटेशन थेरेपिस्ट डा. नीरज कुमार पाल, सहायक प्रोफेसर धीरेन्द्र पाल मुख्य वक्ता थे।

World Mental Day (10.10.2024) :

Webinar on the occasion of World Mental Day, on 10th October 2024.

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर स्कोप पुनर्वास केंद्र में व्याख्यान आयोजित

जींद, 10 अक्तूबर (राजीव): स्कोप चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मोहल खेड़ा रोड स्थित स्कोप पुनर्वास केंद्र एवं विशेष स्कूल में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें साइकोलॉजिस्ट डा. मनीष कुमार ने विशेष शिक्षकों, दिव्यांगजनों व उनके अभिभावकों को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूक किया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में कार्य का दबाव बढ़ने के कारण किसी भी संस्थान या कार्यालय में कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का समय है। समावेशी समाज के लिए मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के साथ जुड़े दोष को दूर करने की आवश्यकता है। व्यक्ति को अपने जीवन में किसी न किसी समय मानसिक स्वास्थ्य समस्या का सामना करना पड़ता है। यह चुनौती वास्तव में लोगों को बहुत व्यापक रूप से प्रभावित करती है। शिक्षा सैमीनार, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की जांच तथा तनाव को कम करने और मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर चर्चा करके इन सब विकारों को दूर किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य की तरफ ध्यान न देने के कारण व्यक्ति के अवसाद और चिंता में रहने पर हर साल वैश्विक अर्थव्यवस्था को उत्पादकता में बहुत हानि होती है इसलिए हमें समय-2 पर कार्य करने के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य की भी देखभाल करनी चाहिए जो हमारे लिए अत्यावश्यक है।

इस अवसर पर स्कोप ट्रस्ट के सदस्य अनूप ढांडा, राजेश्वर, सुरजीत, अर्चना, राज कुमार, रमेश कुमार, पूनम सिंह, अंकित, संदीप, आशा, पवन कुमार, दिव्यांगजन और उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों और उनके अभिभावकों को मानसिक स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए विशेषज्ञ। (राजीव)

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर व्याख्यान आयोजित

ऋषि की आवाज नरवाना/ जींद। स्कोप चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मोहल खेड़ा रोड स्थित स्कोप पुनर्वास केंद्र एवं विशेष स्कूल में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में 'कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता' विषय पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। इसमें साइकोलॉजिस्ट डॉ.मनीष कुमार ने विशेष शिक्षकों, दिव्यांगजनों व उनके अभिभावकों को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूक किया।

डॉ.मनीष कुमार ने कहा कि वर्तमान में कार्य का दबाव बढ़ने के कारण किसी भी संस्थान या कार्यालय में कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का समय है। समावेशी समाज के लिए मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के साथ जुड़े दोष को दूर करने की आवश्यकता है। व्यक्ति को अपने जीवन में किसी न किसी समय मानसिक स्वास्थ्य समस्या का सामना करना पड़ता है। यह चुनौती वास्तव में लोगों को बहुत व्यापक रूप से प्रभावित करती है। शिक्षा सेमिनार, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की जांच तथा तनाव को कम करने और मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर चर्चा करके इन सब विकारों को दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य की तरफ ध्यान न देने के कारण व्यक्ति के अवसाद और चिंता में रहने पर हर साल वैश्विक अर्थव्यवस्था को उत्पादकता में बहुत हानि होती है। इसलिए हमें समय-2 पर कार्य करने के साथ- साथ मानसिक स्वास्थ्य की भी देखभाल करनी चाहिए जो हमारे लिए अति आवश्यक है।

Yoga Classes (Daily Morning) :

Our organization conduct daily yoga classes for Children's with all type of disabilities.

Special Education (Daily) :

Scope Charitable Trust is continuously working to impart quality education to CWSN students and Empowerment of disabled persons.

Class Room

Parents- Teachers Meet (PTM) :

Every Saturday organize a Parents-Teacher Meet for CWSN.

Therapy (Three Days in a Week) :

Scope Charitable Trust provide ally type of Therapy Facility for Intellectual disability, CP, AUTISM Children's

Therapy

At the end, we want to conclude by mentioning that The organisation is trying hard to fulfill its social obligations by serving the community in the best possible manner and will continue to do the same in future.